भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में 19 दिसंबर, 2018 को " हिंदी कार्यशाला " का आयोजन किया गया।

भा.कृ.अनु.प.- राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में "हिंदी कार्यशाला" का आयोजन 19 दिसंबर, 2018 को किया गया । 19 दिसंबर, 2018 को "हिंदी कार्यशाला" के अवसर पर मुख्य प्रवक्ता के रूप में डॉ. डी. पी. सिंह, भा.कृ.अनु.प.- आई.वी. आर. आई, हेब्बाल, बेंगलुरु का स्वागत किया गया। सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा द्वीप प्रजल्वित करके हिंदी कार्यशाला की शुरुआत हुई। इसके बाद उदघाटन भाषण में, ब्यूरो की निदेशक महोदया, डॉ. चाँदिश आर. बल्लाल ने कहा कि ब्यूरो में, सरकारी काम-काज में हिंदी का प्रयोग किया जा रहा है, किन्तु अभी भी इस पर और अधिक ध्यान देने कि जरुरत है। इसके लिए आवश्यक है कि संस्थान में सरकारी काम-काज मूल रूप से हिंदी में हो और इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है कि इसमें हम यह सीख सकें कि अपने कार्य बिना झिझक के राजभाषा में कर सकें। इससे केवल ब्यूरो की ही नहीं बल्कि परिषद के राजभाषा कार्यों की उतरोत्तर बढोतरी होगी।

ब्यूरो की निदेशक महोदया, डॉ. चाँदिश आर. बल्लाल ने रा. कृ. की. सं. ब्यू., बेंगलूरु के सभी कर्मचारियों को "हिंदी कार्यशाला" के आयोजन पर शुभकामनाएं दी।

तदोपरांत, डॉ. डी. पी. सिंह, आई. वी. आर. आई, हेब्बाल, बेंगलुरु ने **"कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन सम्बंधित नियम और नियमों के अनुपालन"** विषय पर अति महत्वपूर्ण जानकारी कार्यशाला में भाग ले रहे प्रतिभगियों को दी।

इस हिंदी कार्यशाला का संचालन डॉ. ऋचा वार्ष्णेय, वैज्ञानिक और श्री सतेंद्र कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने किया। जननद्रव्य संग्रहण एवं लक्षणीकरण विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुनील जोशी, द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के साथ "हिंदी कार्यशाला" का समापन हुआ ।

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में " हिंदी कार्यशाला " का आयोजन

राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलूरु में " हिंदी कार्यशाला " का आयोजन